MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. ...(*Interruptions*)... Timeover. ...(*Interruptions*)... Time-over. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री पी. एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

† **جناب جاوید علی خان (اتر پردش)** : سبودے، میں بھی خود کو اس موضوع کے ساتھ سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री भुवनेश्वर कालिता (असम): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Sanjay Raut. ...(*Interruptions*)... Shri Sanjay Raut. ...(*Interruptions*)... Your time is over. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. Only what Sanjay Raut says will go on record. ...(*Interruptions*)... Mr. Raut, you stand up. Only what you say will go on record. ...(*Interruptions*)...

Situation arising out of decision to demolish Adarsh Cooperative Housing Society

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र): सर, मैं सदन का ध्यान ऐसे विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, it's not going on record. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

श्री संजय राउत: वह विषय कड़वा है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't encroach upon his time. ...(*Interruptions*)... I called Shri Sanjay Raut. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

श्री संजय राउत: सर, इस विषय पर हम लोगों को सोचने की जरूरत है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please allow him to have his say. It is his right. ...(*Interruptions*)... Shri Sanjay Raut, please. ...(*Interruptions*)...

---

† Transliteration in Urdu script.

श्री संजय राउतः सर, मुम्बई के Cuffe Parade में बनी 21 मंजिला आदर्श सोसाइटी की इमारत डिमॉलिश करने का आदेश मुम्बई हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिया है। अब निर्णय केंद्र सरकार को लेना है। हम सभी न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते आए हैं, लेकिन अब न्यायालय सरकार को कोई काम ही करने नहीं देता। सरकार को निर्णय देने का जो अधिकार होता है, वह सब न्यायालय ने ले लिया है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह जो आदर्श इमारत है, यह राजनैतिक भ्रष्टाचार का स्मारक बन गयी है। नियम और कानून को तोड़कर यह इमारत बनाई गई है। शहीद जवानों की वीर पत्नियों के लिए यह भूखंड आरक्षित रखा गया था और इस भूखंड पर वजनदार नेता, बड़े अधिकारी, सैन्य अधिकारी, केंद्रीय मंत्री, सभी ने मिलीभगत करके आदर्श इमारत खड़ी की और इसमें जो आलीशान मकान हैं, वे अपने-अपने नाम कर लिए, रिश्तेदारों को बांट दिए। यह misuse of power का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह एक लूट है। अगर सामान्य आम आदमी को घर लेना होता है, तो उसके सामने इतने नियम-कानून और शर्तें रखी जाती हैं कि वह अपना घर नहीं ले सकता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं हुआ है। अब इस इमारत को तोड़ने का निर्णय हुआ है, लेकिन इस इमारत को गिराना इसका कोई समाधान नहीं है, क्योंकि उसमें लाखों श्रमिकों का श्रम लगा है, पैसा लगा है, सीमेंट, स्टील आदि सब कुछ लगा है। ऐसी स्थिति में सब कुछ बरबाद हो जाएगा। यह देश की संपत्ति है।

सर, उसमें जो गुनहगार हैं, आप उनके ऊपर कार्रवाई कीजिए। आप उनके फ्लैट्स जब्त कीजिए। इस संबंध में मेरी यह मांग है कि इस इमारत को तोड़ने के बजाए वहां पर शासकीय कार्यालय हो या डिफेंस या आर्मी का कोई हेडक्वार्टर हो या कारगिल में जो शहीद हुए हैं, उनके बच्चों के पढ़ने के लिए होस्टल हो। आप यह इमारत ऐसे लोगों को दीजिए, जो डिफेंस या कोई सरकारी काम करे। चूंकि यह राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए सरकार इसको जब्त करके इसको राष्ट्रीय संपत्ति घोषित करे। मेरी यह मांग है कि केंद्र सरकार उसमें उचित कार्रवाई करके उस पर ऐसा कोई निर्णय ले ताकि फिर कोई इस प्रकार से भ्रष्टाचार की तीस मंजिला या चालीस मंजिला इमारत खड़ी न कर सके। अगर आप ऐसा सबक देंगे, तो यह भविष्य के लिए अच्छा होगा। अंत में मेरी यह मांग है कि इसको डिमॉलिश न किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. All right. Your time is over. ...(*Interruptions*)... Dr. T. Subbarami Reddy. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Sir, victims have to be protected. It is unfair. ...(*Interruptions*)... People have outstanding bank loans. They become victimized. Sir, I think some protection should be given to the victims. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Dr. T. Subbarami Reddy. ...(*Interruptions*)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI ANIL DESAI (Maharashtra): Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

श्री चुनीभाई कानजीभाई गोहेल (गुजरात): महोदय, इस विषय के साथ मैं स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री मेघराज जैन (मध्य प्रदेश): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री अजय संचेती (मध्य प्रदेश): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री आर. के. सिन्हा (मध्य प्रदेश): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नंद कुमार साय (छत्तीसगढ़): महोदय, इस विषय के साथ मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Dr. Subbarami Reddy.

Inhuman condition of women in mental health institutions

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, women in mental asylums are living in inhuman conditions. It is really tragic to actually see these details. When the National Commission for Women and NIMHANS visited these mental asylums in Amritsar, Punjab, Dehradun in Uttarakhand, Bareilly and Agra in Uttar Pradesh, West Bengal, Kolkata, Varanasi, Mumbai and Pune, they found that in almost all these places where the Government institutions meant for the women asylums are there, they are in very pathetic and inhuman conditions. Most of these women are actually abandoned by their family members due to family disputes or such other reasons.

So, Sir, I would like to draw the attention of the Government to the unhygienic, over-crowded mental wards for the women in mental asylums all over the country. Poor women who are mentally disturbed are admitted in the mental hospitals and asylums for psychiatric treatment and counselling. The study, which was done all over the country, from Amritsar in Punjab to Chennai in the South, reveals that the